राष्ट्रीय महिला संसाधन केंद्र
राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
भारत सरकार

24 जनवरी, 2013 को राष्ट्रीय बालिका दिवस का उत्सव मनाते हुए अखिल भारतीय स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

बाल लिंगानुपात के घटने का मतलब:

2011 की जनगणना के मुताबिक देश में 0-6 साल के उम्र की जनसंख्या में 1000 लड़कों के बीच 914 ही लड़कियां पाई गई हैं। यह राष्ट्र-व्यापी बहस-मुबाहिसे का विषय बन गया है। राष्ट्रीय सलाहकार परिषद और सेक्टोरल इनोवेशन काऊंसिलको इस संबंध में कार्रवाई-योग्य बिंदुओं पर सिफारिश देने को कहा गया है। विशेषज्ञों के बीच में आम राय है कि यह देश के लिए गंभीर चिंता का विषय है और संबंधित मंत्रालयों को नीति, कानून व कार्यक्रमों को लागू करके व प्रचार-प्रसार के जरिए इसके समाधान में तत्काल जुट जाना चाहिए। इस मसले को महिलाओं के प्रति भेदभाव के वृहत्तर परिपेक्ष में समझने की जरूरत है, इसलिए मिलजुल कर ऐसे प्रभावकारी प्रयासों को अंजाम देना लाजिमी हो जाता है, जिससे देश में बालिकाओं का जीवन और स्थिति बेहतर हो सके।

बालिकाओं के हक में सहमति निर्माण और समाज में उनके सही मूल्यांकन व समुचित सम्मान के लिए भारत सरकार ने 2008 में हर वर्ष के 24 जनवरी को "राष्ट्रीय बालिका दिवस" घोषित किया। राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन और इसका नोडल मंत्रालय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय बहु-आयामी तरीके से गिरते बाल लिंगानुपात से मुखातिब होने व इस खतरनाक प्रवृत्ति को उलटने के लिए सतत प्रयासरत है। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लड़कियों का जन्म हो सके, उन्हें लाड़-प्यार से पाला जाए और बड़ी होकर वह समान अधिकारों से युक्त, देश की सशक्त नागरिक बने।

अखिल भारतीय स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का उद्देश्य

स्त्री समता व सशक्तिकरण के बड़े उद्देश्यों को ध्यान में रखकर माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के अनुमोदन पर उच्च विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच एक राष्ट्र-व्यापी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 14 से 18 वर्ष के विद्यार्थी "बालिकाओं को बचाओ" विषय पर एक नया व मौलिक स्लोगन लिखेंगे। स्लोगन को जेंडर समता व सशक्तिकरण के व्यापक परिपेक्ष के अनुरूप होना चाहिए। इस स्लोगन का उपयोग बड़े पैमाने पर जागरुकता फैलाने के लिए किया जाएगा।

शर्त एवं नियम

नीचे दी गई सारी शर्तों और नियमों को सावधनी से पढ़ें:

1. कृपया ध्यान दें कि सारे स्लोगन आप के द्वारा ही लिखे गए हो, कहीं और से नकल न किए गए हों।
2. स्कूली छात्र व छात्राएं जन्म प्रमाणपत्र, स्कूल पहचानपत्र जैसे जरूरी कागजात की कॉपीके साथ प्रविष्टिभेजें। अगर प्रविष्टि डाक से भेज रहे हैं तो सारे प्रमाणपत्रों की छायाप्रतिलगाएं, अन्यथा अगर इन्टरनेट से भेज रहे हैं तो सारे प्रमाणपत्रों को स्केनकरअटेच करें।
3. प्रविष्टि का फॉर्मेट नीचे दिया गया है।
4. छात्र/छात्राओं के द्वारा भरी गईप्रविष्टि में नाम, लिंग, कक्षा, स्कूल का नाम,छात्र/छात्राओं का और स्कूल के प्रधानाचार्य के सम्पर्क सूत्र (मोबाइल और/यालैंडलाइन नंबर) एवं पूरा पतासंलग्न करें। सही फॉर्म हमारे वेबसाइट पर उपलब्ध है।
5. प्रतियोगिता दो श्रेणियों में होगी -- हिन्दी और अंग्रेजी।
6. किसी भी प्रतियोगी से एक भाषा में एक से ज्यादा प्रविष्टि स्वीकार्य नहीं है, हालांकि प्रतियोगी एक-एक प्रवष्टियां क्रमश: हिन्दी और अंग्रजी में भेज सकते हैं।
7. राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन द्वारा प्राप्त की गई सारी प्रविष्टियोंको जाने-माने व राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के चयन समिति द्वारा परखकर विजेता कोचुना जाएगा।
8. चयन समिति का निर्णय हर तरह से अंतिम व मान्य होगा।
9. पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम दिल्ली में 24 जनवरी 2013 को मनाया जाएगा, जिसमें राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन, विजेता के साथ किसी एक परिजन (माता, पिता या अभिभावक) की यात्रा और रहने के खर्च वहन करेगा।
10. हिन्दी और अंग्रेजी स्लोग्न प्रतियोगिता के तीनों विजेता को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।
11. चयन मानदंड के आधार पर, सफल प्रविष्टियोंको दोनों श्रेणियों के लिए निम्नानुसार पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा:
    - ✓ प्रथम पुरस्कार- 50,000 रुपये
    - ✓ द्वितीय पुरस्कार- 35,000 रुपये
    - ✓ तृतीय पुरस्कार- 25,000 रुपये
12. प्रतियोगिता से संबंध में किसी भी तरह के फोन एंव ई-मेल का जवाब नहीं दिया जाएगा और केवल 6 विजेताओं को ही हमारे द्वारा परिणाम सूचित किया जाएगा।
13. प्रवेश पत्र को slogan.nmew@gmail.com पर भेजें। सबजेक्ट लाइन में हिन्दी स्लोगन प्रविष्टि के लिए "हिन्दी स्लोगन" और अंग्रेजी स्लोगन प्रविष्टि के लिए "अंग्रेजी स्लोगन" लिखें। अगर आप अपनी प्रविष्टि को ई-मेल नहीं कर सकते हैं तो नीचे दिए गए पते पर इस तरह भेजें कि वह हमें 13 जनवरी 2013 तक मिल जाए।

एसपीए, मीडिया एंड कम्युनिकेशन डोमेन
राष्ट्रीय महिला संसाधन केंद्र
राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
प्रथम तल, एमडब्लूसीडीहॉल, जनपथ होटल
जनपथ, नई दिल्ली-110 001

अखिल भारतीय स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

प्रवेश पत्र

(कृपया टाइप करें या स्पष्ट राइटिंग में लिखें। प्रविष्टि 13 जनवरी, 2013 तक हमें मिल जानी चाहिए।)

नाम.....

उम्र.....

लिंग.....

माता/पिता/ अभिभावक का नाम.....

स्थाई पता व फोन नंबर

.....
.....
.....

स्कूल का नाम.....

कक्षा.....

स्कूल का पता व फोन नंबर

.....
.....
.....

स्लोगन.....
.....
.....

मैंने नियम एवं शर्तों के ठीक से पढ़ लिया है और इससे पूर्णतया सहमत हूं। मैं इस प्रतियोगिता में उपरोक्त विवरणों के साथ शामिल हो रहा हूं।

प्रतियोगी का हस्ताक्षर.....

दिनांक.....स्थान.....

प्रविष्टि की स्केन कॉपी भेजने के लिए इस फॉर्म को भरके साथ अटैच करें और slogan.nmew@gmail.com पर भेज दें। हिंदी स्लोगन के लिए विषय में ''Hindi Slogan" और अंग्रेजी स्लोग के लिए "English Slogan" लिखें। डाक का पता: एसपीए, मीडिया, राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय हॉल, प्रथम तल, जनपथ होटल, जनपथ, नई दिल्ली- 110001